

Series HRKकोड नं.
Code No. **51**रोल नं.
Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 5 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains 4 printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 5 questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

कर्नाटक संगीत (ताल वाद्य)

(सैद्धान्तिक)

CARNATIC MUSIC (Percussion Instruments)

(Theory)

निर्धारित समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 15

Time allowed : 2 hours

Maximum Marks : 15

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Instruction : Answer **all** the questions.

1. कर्नाटक संगीत में स्वरलिपि के आधारभूत सिद्धांतों को समझाइए और किसी भी ताल में सरल कोरवै तथा सोल्लुकट्टु की स्वरलिपि लिखिए । 4
Explain the basic rudiments of notation in Carnatic music and notate simple Korvai and Sollukattu in any tala.
2. किसी गायन संगीत समारोह और वादन संगीत समारोह के लिए मृदंगम् सहवाद्य की तकनीक में क्या अंतर हैं ? 2
What are the differences in the technique of Mridangam accompaniment for a vocal concert and an instrumental concert ?
3. पालघाट मणि ऐयर अथवा पलनी सुब्रह्मण्य पिल्लई के जीवन परिचय और योगदान का संक्षिप्त वर्णन कीजिए । 4
Give a brief life sketch and contribution of Palghat Mani Iyer **or** Palani Subrahmanya Pillai.
4. मृदंगम् वाद्य के विभिन्न घरानों के नाम लिखिए और किसी एक घराने की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए । 3
Mention the different schools of playing mridangam and describe the salient features of any one school.
5. दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए : 1/2
(अ) निम्नलिखित में से कौन-सा वाद्य तालबद्ध संगीत वाद्य **नहीं** है ?
(i) मृदंगम्
(ii) तवील
(iii) घटम्
(iv) वायोलिन
- (ब) चतुस्र जाति, त्रिपुट ताल में कितने अक्षर होते हैं ? 1/2
(i) 8
(ii) 10
(iii) 14
(iv) 29

(स) सद्गुरु श्री त्यागराज स्वामी हैं

- (i) वायोलिन वादक
- (ii) मृदंगम् वादक
- (iii) तबला कलाकार
- (iv) वगैयकार

$\frac{1}{2}$

(द) पालघाट मणि ऐयर के गुरु कौन हैं ?

- (i) दक्षिणामूर्ति पिल्लई
- (ii) तंजौर वैद्यनाथ ऐयर
- (iii) राजा माणिक्कम् पिल्लई
- (iv) नीदामंगलम् मीनाक्षी सुन्दरम् पिल्लई

$\frac{1}{2}$

Select the correct answer from the given four options :

(a) Among the following, which is **not** a rhythmic musical instrument ?

- (i) Mridangam
- (ii) Tavil
- (iii) Ghatam
- (iv) Violin

(b) How many aksharas are there in the Chaturasra jati, Triputa tala ?

- (i) 8
- (ii) 10
- (iii) 14
- (iv) 29

(c) Satguru Shri Tyagaraja Swamy is a

- (i) Violinist
- (ii) Mridangist
- (iii) Tabla Artist
- (iv) Vaggeyakara

- (d) Who is the Guru of Palghat Mani Iyer ?
- (i) Dakshinamoorthy Pillai
 - (ii) Tanjore Vaidyanatha Iyer
 - (iii) Raja Manickam Pillai
 - (iv) Needamangalam Meenakshi Sundaram Pillai